प्रेषक.

एस0 कें0 माहेश्वरी, अपर राचिव, उत्तरोंचल शासन

सेवा में,

निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तरों चल, देहराद्व।

शिक्षा अनुभाग-3 देहरादून दिनोंक 20 फरवरी,2006

विषयः जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना/ एन०री०री० रिमाण्ड एवं वैटनरी स्ववाहून की स्थापना तथा राष्ट्रीय छात्र सेना दल योजनाओं में पुनर्विनियोग के गाध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

नहोचय.

चपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्याः अर्थ-1/5/8/14/
बजट/पुनर्विनियोग/2005-06 दिनों क 28-01-2006 के संदर्भ ने भुझे
यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय
वर्ष 2005-06 में आयोजनागत पक्ष में जवाहर नवोदय विद्यालय
मसीलीभाट, पिथौरागढ़ के वन भूमि हस्तान्तरण हेतु एन०पी०बी० एवं
हितपूर्ति गृक्षारोपण हेतु रू० 76.92 लाख, एन०सी०सी० रिमाण्ड एवं
वैटनरी स्क्वाइन की स्थापना मद में रू० 0.77 लाख कुल रू० 77.69
लाख तथा आयोजनेत्तर पक्ष की राष्ट्रीय छात्र सेना चल की योजना में
रू० 44.70 लाख, इस प्रकार कुल रू० 122.39लाख (रूपये एक करोड़
बाइस लाख उनवालीस हजार मात्र) की धनराशि को संलग्न
बी०एम०-15 प्रपत्र में उल्लिखित विवरणानुसार पुनर्विनियोग के नाव्यम
से स्वीकृत किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2— स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का सपयोग चालू वर्ष की नई मदों के कार्यान्वयन देखु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/ शासनादेशों के तहत निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:—

(1)— योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति / स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।

(2)— यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उवत घनराशि को किसी ऐसी मद पर ध्यव न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुरितका तथा बजट मैनुवयल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हों। (3)— अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।

(4)— भितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अधवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन

किया जायेगा।

3— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू दिल्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या— 11 के अधीन लेखा शीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा— 02 —गाध्यमिक शिक्षा— के अन्तर्गत संलग्न बी. एम.—15 में उल्लिखित संबंधित ब्यौरेवार शीर्षक के नामें ढाला जायेगा राथा संलग्न पुनर्विनियोग के कालग—1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

5— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या—949/वित्त अनु0-3/06 विनोंक 13-2-2006 में प्राप्त चनकी सहमति से जारी

विनये जा परे हैं।

संलग्नक- बी०एम३-15 प्रपन्न।

भवदीय, (एस० कें० माहेश्वरी) अपर सचिव

सेंस्याः 29 (1) / XXIV-3/2006 तद्दिनोंक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक वनर्यवाही हेत् प्रेषित:-

महालेखाकार, उत्तरों चल, देहरादून।
 निजी राधिव, माठ मुख्य मंत्री जी।

2- निजी सविव, गा० मुख्य मंत्री जी।
 3- निजी सविव, गा० शिक्षा मंत्री जी।

 उप महानिदेशक, एन०सी०सी० निदेशालय, उ०प्र०एवं उत्तरांचल, अशोक मार्ग, लखनऊ।

मणट, राजकोशीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।

6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, पाँड़ी / नैनीताल।

त्यस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
 समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।

9- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तरांचल।

10- वित्तं अनुभाग-3 / नियोजन प्रकोष्ठ ।

11- कम्प्यूटर रोल (वित्त विभाग)।

/12- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।

13- गार्ड फाइल।

संलग्नक- बी०एम0-15 प्रपत्र।

(राजेन्द्र सिंह) उप सचिव

उत्तरां वल शासन विक्त अनुभाग — 3 संख्याः 949 / XXV1(3) / 2006 देहरादून दिनों क 20 फरवरी,2006

पुनर्विनियोग स्वीकृत।

(एल० एग० पन्त) 13 2 200 अपर राधिव

रोबा में.

गहालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) उत्तरांघल, देहरादून ।

संख्याः 2.9 (1)/XXI V-3/2006 / तद्दिनों क ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही

हेत् प्रेषितः-

- निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- सगरत कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 3- विला अनुगाग-3।
- 4- गार्ड फाइल।

आज्ञा हो. राजेन्द्र सिंह

(राजेन्द्र सिंह) उप स्चिव

-	
24	
Œ	
1	-
1	-
praf	F
55	F
- 12	His
-	De.
92	7.7
7	15
12	
-	524
87	-
-6	100
364	22
2	-
220	
28	
	-
	55
	70
	164
	7
	5
	Mr.
-	20
3	-77
24	
-	
2	10
8	-0.
	T.
	8
	2
	400
	E
	10
	10
	2
- 3	-
W	
15	
113	
23	
200	
libra.	
5	
100	
(30)	
62	
77.0	
100	
000	
+	
Same?	
अस्तर इ	
Parents 2	
निवासका व	
नियशमान् व	

919521-1 राजा पुर्ता स्थापक का स्थाप्ता न्यापक क्षाप्ता क्षा क्षाप्ता क्षा क्षाप्ता	Corti di Sociale Collis di Secules Più cora pressibili 3. 4	नंकाशीमंक जिसमें धनहाशि स्थानकारित फेक्स जाना है तथा स्थानान्धरित फक्सि	पुनविधान के बाद सामा 5 की कन	पुनाविभियम् क बाद अवशेष	कान्युविस
1 fürn- his firm- amprentia- i qualifia farimi - amprentia etda marit firmen et senum-		5	पनस्यक्ति	पन्तराक्षा (सम्मन्धी)	
An first-amforend- Applies frames — Applies of senses — Praces of senses— Praces of senses— Praces of senses— Applies of			9	1	10
250 0		2202-411417-4 Pleff- 02-415217-3141-3141-3163 890-31-4 214- 10-504182 40124 Pleffed 37 8241471 -			नये राजीप वासी नवीदक विधासक न सुसने से बचरा धुई हैं। फवाहर न्योक्य विधासक मध्येतिमार
200	4639, 600	२६-सहायक अधुदान्/ अश्वदान्/ राजसहायना-	7603	2400	हेत् का मूमि हरवानासम् एतं – एन
	31 169	89-सामान्य- 860-अन्य धाय- 05-एग.सी.जी. रिमाण्ड एण्ड पैटनसी स्ववादन की स्थापना-		50	थीशी. रियाच्ड एव बेटनरी स्ववाङ्ग दी स्थापना मिरिएश प्य में प्रमुखी। डी
08 million win 2500 279 to	1221 1003	03~ 김대 - 13	382	1500	अधिरिक्त अधारमाम्
स्य प्रतीयत एव जान्यत्य २०३० १२७६	1725 4000	15-गांदियों का अनुरक्षण और पेट्रोस आदि की सरीय-	20	3000	31
29-31-34-17 620 0	0 000	42-373 574- 12	112	0	
72- 8254 2956	3834 3400	-	1001	0539	
THE	11403 2703	1/17 7769	8425		

(राजेन्द्र सिंह) उप सिंह)

Page	
100	8
抗	200
55	77
Ñ.	3
H	300
17	3
12	82.
H	12
40.	
	(VV
शाहाकीय	=
78	1
E	JE.
- 50	
100	
	-
	200
	4
	12
	HQ1
	70
	-
	-
	M
10	अनुदान संख्या
1/3	179
1	
100	
40	12
-	~
_	J.
	SP
	2005-0
_	2505-0
_	2505-0
_	9- 2005-0
~	4th 2505-0
0	a 46- 2005-0
0	Na 4th 2505-0
0	uffa an- 2005-0
0	dulta an- 2005-0
0	Nulta an 2005-0
0	Multa an- 2005-
	Multin 45- 2505-0
	Multin 45- 2005-0
- Set	Multin 45- 2005-0
of Tark	Ruffa an 2505-0
er/het	Multa an zbos-c
in or fact	Nulla an 2505-0
herr seffer	Nulla an 2005-0
Plen whee	Nulla an 2005-0
Prest sefase	Multin an 2505-0
Pleir office	Multin an 2505-0
1) Dien erface	ldulla que zbas-c
वरी जिस्स सन्दिक	Naulia an zbas-c
भागती जिल्ला शास्त्रिक	lithigh she ztased
विकास विकास सिक्स	Multa an - 2005-0
अस्मिक्तरी जिल्ला सन्दिक	Ruffa an - 2505-0
अमिन्तरी विधा सन्दिर	Night an 2005-0
क अधिकारी जिस्स सन्दिर	Multa an 2005-0
attract the what	Nulla th- 2005-0
pasiar arthundi Dien erfaar	Navita an 2005-0
Parein affect from whee	Multa an 2005-0
Pasia athord Dun ufar	Ruffe an 2505-0
Parata athend Been erfeet	Nulla an 2505-

प्रविचान तथा लेका अविक का विवस्थ	lužt	अध्यक्त महसार	forthe and as the spells at	अवस्था सारप्ता	संस्थानिक क्षिणी प्रस्तिति स्थानान्त्रतीय	45	Spildahe 6 ere	पुनाविभियोग क वाद जबशेव	wajjac
		E E	वर्गणाचेत व्यव	पनस्याद्वा	किया प्रतम्ब हे वन्त त्यानाचीय बनवाति	ur-arka	रतमा ६ की कुम पगरतीत	पनस्यक्षि (स्वम्म-भी)	
-		23	60	4	un.		5	t-	1 3
2202-सामान्य शिक्षा- 02- मान्यतिक शिक्षा-अभ्योजनेद्रार- 169-एवर्चीय प्रत्यापिक शिक्षात्म 03-बाल्ज एवं वालिका -					2282-धामान्य मिसा- 89-सामान्य- 890-प्रन्य काव- 04- सन्द्रीय काव-	Ė			राजकाय मन्याविक विद्यालयों में भर दिखा क्षेत्रे के कारण कारत है। सम्बोध
- day-day-	1897030	1325909	506721	3470	-	1200	15200	1892530	काब दोना ५ल जी
					CA-UTA TOUR	525	252		कतियम मन्त्रे मे
					oz-thirda-	133	2131		articisair airemini
					- 922 FR 144-	255	586		100
					०५ - सियुत	NA O	170		
					10-stess?	53	90		
					11- लेखन समयी एव फार्म की	फार्मा की	135		
					wire!	36			
					13-daysht tan	100	400		
					पट्टान आहे की जर्मन अपूर्	300	1300		
					17-फिराया डपशुल्क एवं 19र	1936			
					स्यायित्व	99	666		
					42-अन्य व्यक्त	2000	17000		
					नत- गंडमाई मेशन-	235	7235		
शामका योग-	1897000	1325509	556721	4470	-1474	6470	45115	CX892530	

(राजेन्द्र सिंह) उस साथिव